

न्यायालय उप स्वयं अधिकारी सुंभुर

पीठासीन अधिकारी :- श्री (ले. २) शैरवा (आर. ए. एम.)

मुकदमा नम्बर 53/2015

- | | |
|----------------------------------|--------------------------|
| 1. रवलील रवां पुत्र रहमत रवां नि | भावर व हव व जिला सुंभुर |
| 2. टकीम रवां पुत्र स्वः आलम अली | जाति कायम रवांनी, निवासी |
| 3. मजीद रवां पुत्र स्वः आलम अली | गण भावर व हमील व |
| 4. अजीज रवां पुत्र स्वः आलम अली | जिला सुंभुर (राजव) |
| 5. रहीम रवां पुत्र स्वः आलम अली | |
| 6. राजाक रवां पुत्र स्वः आलम अली | |

वादीगण

— बनाम —

- | | |
|---------------------------------|--------------------------------|
| 1. अब्दुल गन्नी पुत्र स्वः लतीफ | जाति कायम (वानी, निवासी) |
| 2. रसीद रवां पुत्र स्वः लतीफ | निवासी गण भावर |
| 3. मुजज्जा रवां पुत्र स्वः लतीफ | वहमील व जिला - |
| 4. निहार रवां पुत्र स्वः लतीफ | सुंभुर (राजव) |
| 5. लालीब रवां पुत्र स्वः लतीफ | |
| 6. श्रीमति सावली पानी स्वः लतीफ | |
| 7. श्रीमति रचन देवी पानी | विनोद कुमार (जाति माली, निवासी |
| भावर वहमील व जिला सुंभुर (राजव) | |
| 8. राजव-सरकार-भू-द्वारा | वहमील व वहमील सुंभुर |

प्रतिवादीगण

उपस्थित अधिकारीगण :-

1. इलिआस रवां वकील - वादीगण की ओर से -
2. मजीम अहमद रवां वकील - प्रतिवादीगण की ओर से -

" शर्वा वाकल घोषणा रवां विभाजन व रिकार्ड दुरुहली "

निर्णय

दिनांक 18/4/22

तारीख
रुज

(2)

वाड वादीगण के संक्षेप में नष्ट व नष्ट प्रकार के हैं कि वाड वादीगण ० मासालय के प्राथमिक निर्देश दिनांक ११-१-२० के द्वारा डिप्टी कमिश्नर जाकर गजाम गावर सहस्रील कुंभुं की जमाबंदी भावन २०१५-२०१६ के अनुसार खरब न ५१ नादादी १.०१ है, खरब न ५८ नादादी ०.५१ है, खरब न ५५ नादादी ०.०१ है, खरब न ५२ नादादी ०.१३ है, खरब न ५३ नादादी ०.११ है, खरब न ५५ नादादी १.८३ है, कुल कितना - ६ कुल रकम ५१० है। मौजा गजाम गावर परिवार हल्का - ३५ गावर वादीगण १ लख ६ स प्रतिकारीगण - १०१ लख के मध्य प्रताधिक मौका व रिकार्ड के अनुसार - विचित्र गाई मिटस एंड हाउसडम परिवार करने के आदेश दिने जाकर सहस्रील कुंभुं की ५००/- रुपये मौका कीस पर मौका कागिशन नियुक्त का आदेशित किया गया कि वह उपर दियेया अनुसार मौके पर पक्षकारों की मौजूदगी के बंटवारा का विभाजन प्रस्ताव न दिवत के मासालय में पेश करने हेतु ० मासालय के पत्र क्रमांक कोर्/२०१०/१२० दिनांक १२/३/२० के द्वारा आदेशित किया गया। सहस्रील कुंभुं के आपन पत्र क्रमांक- राजएव/२०२०/११५ दिनांक ५/६/२० के द्वारा विभाजन प्रस्ताव पेश किया गया। जो शामिल मिलेला किया जाकर विभाजन प्रस्ताव पर एतराज/वहस वकील पक्षकाराण सुनी गई। अधिवक्तागण ने प्रताधिक विभाजन प्रस्ताव वाड वादीगण आरिभ रूप में डिप्टी जारी करने का निवेदन किया गया। तबसे मासालय के प्राथमिक निर्देश व दिनांक २७-१-२०२० व सहस्रील कुंभुं द्वारा प्रस्तुत विभाजन प्रस्ताव का हवात- पूर्वक विचार लोकाय किया गया जाकर वरत वकील पक्षकाराण पर वजौ मजबूत किया गया। दिनांक ३/३/२०२० विभाजन प्रस्ताव मासालय के प्राथमिक निर्देश व दिनांक ३/३/२० के अनुसार ही होना चाहिए कि मासालय मत पर वाड वादीगण प्रताधिक विभाजन प्रस्ताव के अनुसार ही आरिभ डिप्टी किया जाना न्यायोचित है।

अदालत (रज)

(3)

लिहाजा -

आदेश

एड वहीमन अनाधिक विभाजन प्रमाण के अनुसार आदेश रूप में दिखी दिख जाना है विभाजन प्रमाण निर्दिष्ट व दिखीका भाग रहेगा। तहसीलदार कुतुब के आदेशित दिख जाना है कि एड अनाधिक विभाजन प्रमाण के अनुसार बाण्डर रिनाडी के डीमल - दरायद का प्रावना करे। रनया परफार्मा अथवा - 2 करन करे। एड बुमा पर्या दिखी जारी हो। प्रमाण/काल अथवा होकर एड नम्बर के कम हो एड बाण्डरकाल दरायद करन हो। आदेश आण दिनांक 18/4/2022 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर सुले-बाण्डर में मुनाया गया।

[Signature]
18.04.2022
मुन्शी (स.ज.)